ISSN(Online) : 2319-8753
ISSN (Print) : 2347-6710

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 5, Issue 4, April 2016

इंटरनेट : आज की आवश्यकता

डॉ. राम अवतार

एसोशिएट प्रोफेसर - रक्षा एवं स्त्रातेजिक विभाग, का. सु. साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय अयोध्या

सारांश

इंटरनेट किसी भी व्यक्ति को दुनियां के किसी भी कोने में बैठे हुए महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करने की अद्भुत सुविधा प्रदान करता है। इसके माध्यम से हम लोग आसानी से किसी एक जगह रखे कम्प्यूटर को किसी भी एक या एक से अधिक कम्प्यूटर से जोड़कर जानकारी का आदान प्रदान कर सकते हैं। जैसे ही हम अपने इंटरनेट सेवा प्रदाता को इसके कनेक्शन के लिये पैसे देते हैं उसी समय से हम इसका प्रयोग दुनिया के किसी भी कोने से एक हफ्ते या उससे ज्यादा समय के लिये कर सकते हैं। इंटरनेट अपने आप में कोई आविष्कार नहीं है। इंटरनेट टेलीफोन , कंप्यूटर व दूसरी तकनीक को इस्तेमाल करके बनाई गई एक ऐसी प्रणाली है, जिसमें सूचना व तकनीक का साझा उपयोग किया जा सकता है। आज के दौर में इंटरनेट हमारी आवश्यकता नहीं जरूरत बन गया है। बिना इंटरनेट के आज के समय में हम कुछ चीज नहीं ढूंढ सकते हैं। सही मायनों में इंटरनेट एक दूसरे से जुड़े बहुत सारे कम्प्यूटरों का जाल है जो कि उपग्रहों, केवल तंतु प्रणालियों, एल.ए.एन, और वी.ए.एन प्रणालियों तथा टेलीफोनों के जरिए सम्पूर्ण विश्व के करोड़ों कम्प्यूटर्स एवं उपनेटवर्क्स को आपस में जोड़ता है।

आसान भाषा में कहे तो इंटरनेट सूचनाओं का आदान प्रदान करने के लिए टी.सी.पी/आई.पी प्रोटोकॉल के द्वारा दो अथवा कई कम्प्यूटर्स को एक साथ जोड़कर रिलेशन बनाता है जिसको इंटरनेट कहते हैं।

दुनिया में जब तक इंटरनेट नहीं आया था उससे पहले लोगों को अपने मामूली काम करने के लिए कई कई घंटे इंतजार करना पड़ता था। जैसे रेलवे का टिकट लेने, बिजली का बिल जमा करने तथा आवेदन पत्र जमा करने जैसे काम करने के लिए काफी दिकक्तों का सामना करना पड़ता था। लेकिन आधुनिक समय में लोग बस एक क्लिक से टिकट की बुकिंग कर सकते हैं, साथ ही एक सॉफ्ट कॉपी अपने मोबाईल फोन में भी रख सकते हैं।

1969 में टिम बर्नर्स ली ने इंटरनेट का आविष्कार किया। इसे सबसे पहले सन् 1969 में अमेरिका के प्रतिरक्षा विभाग द्वारा एडवांस रिसर्च प्रोजेक्ट एजेंसी नेटवर्क के गुप्त आंकड़ों और सूचनाओं को दूर दराज़ के विभिन्न राज्यों तक भेजने व प्राप्त करने में लाया गया था। हमारे भारत देश में इंटरनेट 1980 के दशक में आया था।

परिचय

इंटरनेट का महत्त्व

- मेट्रो, रेलवे, व्यापारिक उद्योग, दुकान, स्कूल, कॉलेज, शिक्षण संस्थान, एनजीओ, विश्वविद्यालय, कार्यालय (सरकारी तथा गैर-सरकारी) में हर डाटा को कंप्यूटरीकृत करके बड़े स्तर पर कागज़ और कागज़ी कार्यों से बचा जा सकता है, ऐसा करने से कार्यों में पारदर्शिता भी बढ़ेगी।
- इंटरनेट मनुष्य को विज्ञान द्वारा दिया गया एक सर्वश्रेष्ठ उपहार है। इंटरनेट अनंत संभावनाओं का साधन है। इंटरनेट के माध्यम से हम कोई भी सूचना, चित्र, वीडियो आदि दुनिया के किसी भी कोने से किसी भी कोने तक पल भर में भेज सकते हैं। इंटरनेट के माध्यम से हम ई-मेल भेज सकते हैं और प्राप्त भी कर सकते हैं।
- यह संदेश भेजने का और प्राप्त करने का सबसे सरल और सस्ता साधन है। इंटरनेट के माध्यम से हम दुनिया के किसी भी कोने में बैठे हुए अपने दोस्त अथवा संबंधियों से बात कर सकते हैं। इसे इंटरनेट चैटिंग कहते हैं जिसकी वजह से फेसबुक और वाट्सएप बहुत अधिक प्रसिद्ध हो रहे हैं।

IJIRSET

ISSN(Online) : 2319-8753
ISSN (Print) : 2347-6710

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 5, Issue 4, April 2016

- इंटरनेट के माध्यम से हम अपने विचारों और वस्तुओं का पूरी दुनिया में प्रचार कर सकते हैं। यह विज्ञापन का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम है।
- इंटरनेट के माध्यम से हम व्यापार भी कर सकते हैं और अपनी वस्तुओं और सेवाओं का क्रय-विक्रय भी कर सकते हैं। इसका सबसे बड़ा साधन वेबसाईट है।
- इंटरनेट का उपयोग हम ईमेल भेजने, वीडियो, चैटिंग, नेट सर्फिंग, बिल जमा कराने, टिकट बुक कराने, शॉपिंग करने के लिए, सूचनाएं बेचने और प्रदान करने के लिए, नौकरी खोजने और प्रदान करने के लिए, विज्ञापन करने के लिए, सीधे अपने ग्राहकों तक पहुंचने के लिए, मनोरंजन इत्यादि सभी कार्य करने के लिए करते है।
- वर्तमान में तो बच्चों की शिक्षा और उनके खेलने के लिए गेम्स भी इंटरनेट पर उपलब्ध है।
- विज्ञान के क्षेत्र में भी इंटरनेट ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इंटरनेट की सहायता से वैज्ञानिक एक दूसरे से जुड़कर नए नए आविष्कारों को अंजाम दे पाए है और अंतरिक्ष में घटने वाली घटनाओं की सूचना भी इंटरनेट के माध्यम से सभी को प्रदान की हैं।
- इसके कारण शिक्षा के क्षेत्र में तो बहुत अधिक बदलाव आया है क्योंकि पिछड़े हुए क्षेत्रों में इंटरनेट की उपलब्धता के कारण वहां के विद्यार्थियों को उत्तम शिक्षा मिल रही है, जिससे रोज़गार में वृद्धि हो रही है और देश की तरक्की भी तेजी से हो रही है।
- इसका अथाह ज्ञान, सूचना, जानकारी इसके संचालन के उपयोग को और अधिक बढ़ा देता है। इसकी इसी विशेषता के कारण उपयोगकर्ताओं की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है।[1,2]

विचार – विमर्श

हालाँकि इसके कई फायदे हैं, लेकिन इंटरनेट भी एक दोधारी तलवार है जिसके नुकसान भी हैं। इंटरनेट के उद्भव और लोकप्रियता ने बदमाशी और ऑनलाइन पीछा करने और ट्रोलिंग के लिए जगह दी है। इसके अलावा, इंटरनेट पर हिंसक और अश्लील छवियों तक आसान पहुंच ने भी अपराधों को जन्म दिया है। एक प्रमुख व्यसन और व्याकुलता के कारण के रूप में देखा जाता है, विशेष रूप से किशोरों में, यह न केवल मानसिक परेशानी का कारण बनता है बल्कि शारीरिक बीमारियों को भी जन्म देता है।

प्रत्येक नए आविष्कार के फायदे और नुकसान हैं, हालांकि, उचित सावधानियों जैसे सुरक्षित ब्राउज़िंग का अभ्यास करना, आपके द्वारा साझा किए जाने वाले डेटा के साथ सतर्क रहना, बार-बार पासवर्ड बदलना, गोपनीयता सेटिंग्स को अपडेट करना, और दूसरों के साथ अपनी साख साझा न करने से आपको इंटरनेट का उपयोग करने में मदद मिल सकती है। अत्यंत आसानी और बिना किसी चिंता के!

पहले के समय में जब लोग के पास इंटरनेट की सुविधा नही थी, तो उन्हें कई प्रकार के सामान्य कार्यों के लिये भी कई घंटों तक लाइनों में लगे रहमा पड़ता था जैसे रेलवे का टिकट लेने, बिजली का बिल जमा करने तथा आवेदन पत्र जमा करने जैसे कार्यों के लिए काफी दिकक्तों का सामना करना पड़ता था।इंटरनेट का जन्म सन् 1969 में अमेरिका में किया गया था। इसे सबसे पहले सन् 1969 में अमेरिका के प्रतिरक्षा विभाग द्वारा एडवांस रिसर्च प्रोजेक्ट एजेंसी नेटवर्क नाम गुप्त आंकड़ों और सूचनाओं को दूर दराज के विभिन्न राज्यों तक भेजने व प्राप्त करने में लाया गया था। हमारे भारत देश में इंटरनेट 80 दशक में आया था।[3,4]

इंटरनेट एक वर्ल्ड वाइड वेब है जिसकी सहायता से हम दुनिया के किसी भी कोने में अपनी मेल या जरूरी दस्तावेजों को पलक झपकते ही भेज सकते हैं और प्राप्त कर सकते हैं। इंटरनेट मनोरंजन का एक बहुत अच्छा माध्यम है। इंटरनेट के माध्यम से संगीत, गेम्स, फिल्म आदि को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के डाऊनलोड कर सकते हैं और अपनी बोरियत को दूर कर सकते हैं।

इंटरनेट की सहायता से बिजली, पानी और टेलीफोन के बिल का भुगतान घर पर बैठे बिना किसी परेशानी के और बिना लंबी लाईनों में खड़े हुए किया जा सकता है। इंटरनेट से हमें घर बैठे रेलवे टिकेट बुकिंग, होटल रिसर्वेशन, ऑनलाइन शौपिंग, ऑनलाइन पढाई, ऑनलाइन बैंकिंग, नौकरी, खोज आदि सुविधाएँ मिल जाती हैं।

ISSN(Online) : 2319-8753
ISSN (Print) : 2347-6710

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 5, Issue 4, April 2016

इंटरनेट की मदद से हम किसी भी प्रकार की जानकारी और किसी भी प्रश्न का हल कुछ ही क्षणों में प्राप्त कर सकते हैं. इंटरनेट के जरिए दुनिया के किसी भी कोने में बैठे लोगों से बिना किसी शुल्क के घंटों बात कर सकते हैं

इंटरनेट एक विश्व व्यापी वेब है जिसकी मदद से हम दुनिया के किसी भी कोने में पलक झपकते ही अपना मेल या महत्वपूर्ण दस्तावेज भेज और प्राप्त कर सकते हैं[5,6]

जो लोग किसी समस्या की वजह से रेगुलर क्लास लगाकर नहीं पढ़ सकते उनके लिए इंटरनेट क्रांतिकारी बदलाव लाया है. आज के समय में ऑनलाइन क्लासेस के माध्यम से कोई भी व्यक्ति घर पर ही पढकर परीक्षा दे सकता है. सुयोग्य वर-वधु की तलाश को भी इंटरनेट ने आसान कर दिया है

इंटरनेट पर कई मैट्रिमोनी साइट्स हैं जिन पर आप अपनी पसंद का पार्टनर खोज सकते हैं. इंटरनेट उन लोगों के लिए एक वरदान की तरह है जो पार्ट टाइम जॉब करके पैसा कमाना चाहते हैं. आज के समय में कई ऑनलाइन नौकरियां उपलब्ध हैं जिन से घर बैठे पैसा कमा सकते हैं[7,8]

परिणाम

इंटरनेट के द्वारा घर बैठे बिजली, पानी और टेलीफोन बिल की परेशानी और लंबी लाइनों में खड़े हुए बिना भुगतान किया जा सकता है. इंटरनेट के माध्यम से रेलवे टिकट बुकिंग, होटल आरक्षण, ऑनलाइन शॉपिंग, ऑनलाइन अध्ययन, ऑनलाइन बैंकिंग, नौकरी आदि पर खोज बीन की जा सकती है

इंटरनेट के माध्यम से किए गए वित्तीय और वाणिज्यिक प्रयोगों ने बाजार की अवधारणाओं को एक नई रूपरेखा दी है. सोशल नेटवर्किंग साइट्स के माध्यम से हम नए दोस्त बना सकते हैं

जिससे हमें बहुत सी नई चीजें सीखने को मिलती हैं. सोशल नेटवर्किंग साइट्स के माध्यम से हम किसी भी खबर को एक ही हिस्से के बहुत से लोगों तक तत्काल पहुंचा सकते हैं

इंटरनेट एक दूसरे से जुड़ने में मदद करता है. आज के समय में इंटरनेट पर कई माध्यम हैं जिनकी मदद से हम एक-दूसरे से जुड़े रह सकते हैं. यह हमें दूर का एहसास नहीं कराता है इंटरनेट हमारी पढ़ाई में भी बहुत मदद करता है

आज के समय में बाजार में किताबें बहुत महंगी हैं और हर कोई उन्हें खरीद नहीं सकता है उन्हें इंटरनेट की मदद से पढ़ और डाउनलोड कर सकते हैं[9,10]

खाना पकाने के लिए अब खाना पकाने की कक्षाओं में पैसे बर्बाद करने की आवश्यकता नहीं है आपको जो कुछ भी सीखने की ज़रूरत है, आप YouTube पर लाइव देखकर सीख सकते हैं. अब इंटरनेट सेवा के माध्यम से ई-कॉमर्स और ई-मार्केट के बढ़ते चलन ने सेवा प्रदाताओं और उपभोक्ताओं के बीच की दूरी को मिटा दिया है। इंटरनेट पर सुविधा के कारण व्यक्तिगत जानकारी की चोरी बढ़ गई है जैसे क्रेडिट कार्ड नंबर, बैंक कार्ड नंबर, आदि आज के समय में देश की सुरक्षा प्रणाली को भेदने के लिए जासूसों द्वारा इंटरनेट का उपयोग किया जा रहा है जो कि सुरक्षा की दृष्टि से खतरनाक है

रेलवे टिकट बुकिंग, होटल बुकिंग, ऑनलाइन शॉपिंग, ऑनलाइन बैंकिंग, नौकरी खोज आदि जैसी सुविधाएं इंटरनेट से घर पर उपलब्ध हैं लेकिन इसमें आपके नाम, पते और फोन नंबर जैसी व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग का भी खतरा है. आज के समय में गोपनीय दस्तावेजों की चोरी भी शुरू हो रही है

ISSN(Online) : 2319-8753
ISSN (Print) : 2347-6710

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 5, Issue 4, April 2016

इसके लिए स्पामिंग का इस्तेमाल किया जाता है. यह एक अवांछनीय ई-मेल है जिसके माध्यम से गोपनीय दस्तावेज चोरी हो जाते हैं इंटरनेट के बढ़ते उपयोग के कारण कैंसर एक बीमारी अधिक होने लगी है. इंटरनेट के कारण कुछ असामाजिक लोग वायरस को दूसरों के कंप्यूटर के कामकाज को नुकसान पहुंचाने के लिए भी भेजते हैं

जो व्यक्ति एक बार इंटरनेट का प्रयोग कर लेता है उसे इसकी आदत हो जाती है और फिर उसका एक दिन भी इंटरनेट के बिना गुजारना मुश्किल हो जाता है

इंटरनेट पर पोरोनोग्रफी साईट पर अत्यधिक मात्रा में अश्लील सामग्री विद्यमान है जिसका बुरा प्रभाव सबसे अधिक बच्चों पर और युवा पीढ़ी पर पड़ा है.

इस प्रकार की साइट्स को देखकर लोग गलत रास्ते की ओर बढ़ रहे हैं और अपराध की तरफ अग्रसर हो रहे हैं. इस प्रकार की अश्लील सामग्री इंटरनेट पर डालने वाले लोग बहुत अच्छी आमदनी कमा रहे हैं यह हमारे समाज के लिए जहर की तरह है जिसके खतरनाक परिणामों को हम हर रोज देखते हैं[11,12]

इसलिए, इस प्रकार की सामग्री को इंटरनेट पर रखने से रोकने के लिए सख्त नियम बनाए जाने चाहिए क्योंकि इंटरनेट के कारण सोशल साइट्स का चलन बढ़ गया है

अब लोग बात करने के बजाय परिवार में अकेले रहना पसंद करते हैं क्योंकि वे सोशल साइट्स पर एक अलग दुनिया में हैं जिसके कारण परिवार बिखरते जा रहे हैं

निष्कर्ष

जैसा कि इंटरनेट आज की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन चुकी है भविष्य में भी इसकी आवश्यकता अधिक बढ़ेगी. टेक्नोलॉजी के इस दौर में इंटरनेट हमारा सबसे सस्ता और काफी फायदेमंद दोस्त है

हमें सदैव इंटरनेट का सदुपयोग करना चाहिए तथा इंटरनेट का लाभ उठाना चाहिए देखा जाए तो इंटरनेट के जितने फायदे हैं उतने नुकसान भी है[13,14]

लेकिन हमें सदैव इंटरनेट को अपने फायदे के लिए उपयोग करना चाहिए इंटरनेट के माध्यम से हमें अच्छी अच्छी चीजों को सीखना चाहिए था उसे अपनी जीवनी में उतारना चाहिए लेकिन इसके विपरीत कई लोग इंटरनेट का दुरुपयोग करते हैं जो कि गलत है[15]

संदर्भ

1) "डिजाइन में एक दोष" । वाशिंगटन पोस्ट । 2011। 8 नवंबर 2011को मूल से संग्रहीत । 2012 को लिया गया । इंटरनेट एक बड़े विचार से पैदा हुआ था: संदेशों को टुकड़ों में काटा जा सकता है, एक नेटवर्क के माध्यम से प्रसारण की एक श्रृंखला में भेजा जा सकता है, फिर गंतव्य कंप्यूटरों द्वारा जल्दी और कुशलता से फिर से इकट्ठा किया जा सकता है। इतिहासकारों ने मौलिक अंतर्दृष्टि का श्रेय वेल्श वैज्ञानिक डोनाल्ड डब्ल्यू डेविस और अमेरिकी इंजीनियर पॉल बारन को दिया है। ... सबसे महत्वपूर्ण संस्थागत बल ... पेंटागन की उन्नत अनुसंधान परियोजना एजेंसी (एआरपीए) थी ... जैसे ही एआरपीए ने एक महत्वपूर्ण कंप्यूटर नेटवर्क पर काम शुरू किया, एजेंसी ने देश के शीर्ष विश्वविद्यालयों से संबद्ध वैज्ञानिकों की भर्ती की।
2) स्टीवर्ट, बिल (जनवरी 2000)। "इंटरनेट इतिहास - एक पृष्ठ का सारांश" । द लिविंग इंटरनेट । मूल से 2 जुलाई 2001को संग्रहीत किया गया।

ISSN(Online) : 2319-8753
ISSN (Print) : 2347-6710

International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 5, Issue 4, April 2016

3) "#3 1982: द ARPANET कम्युनिटी ग्रो" 40 मैप्स में जो इंटरनेट की व्याख्या करता है, 6 मार्च2000 को वेबैक मशीन , टिमोथी बी ली, वोक्स कन्वर्सेशन्स, 2 जून 2000को संग्रहीत किया गया।
4) स्ट्रिकलैंड, जोनाथन (3 मार्च 2008)। "हाउ स्टफ वर्क्स: इंटरनेट का मालिक कौन है?" . मूल से 19 जून 2009 को संग्रहीत किया गया । 27 जून 2009 को लिया गया ।
5) हॉफमैन, पी.; हैरिस, एस। (सितंबर 2006)। आईईटीएफ का ताओ: इंटरनेट इंजीनियरिंग टास्क फोर्स के लिए एक नौसिखिया गाइड । आईईटीएफ । डीओआई : 10.17487/आरएफसी4677 । आरएफसी 4677 ।
6) "न्यू सेवन वंडर्स पैनल" । यूएसए टुडे । 27 अक्टूबर 2006। मूल से 15 जुलाई 2010 को संग्रहीत । 31 जुलाई 2010 को लिया गया ।
7) "इंटरनेट" । ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी (ऑनलाइन संस्करण)। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस । (सदस्यता या भाग लेने वाली संस्था सदस्यता की आवश्यकता है।) उन्नीसवीं शताब्दी विशेषण के रूप में उपयोग करें।
8) सेर्फ़, विंट; दलाल, योगेन; सनशाइन, कार्ल (दिसंबर 1974)। इंटरनेट ट्रांसमिशन कंट्रोल प्रोटोकॉल की विशिष्टता । आईईटीएफ । डीओआई : 10.17487/आरएफसी0675 । आरएफसी 675 ।
9) कॉर्बेट, फिलिप बी (1 जून 2001)। "यह आधिकारिक है: 'इंटरनेट' खत्म हो गया है" । द न्यूयॉर्क टाइम्स । आईएसएसएन 0362-4331 । मूल से 14 अक्टूबर 2001 को संग्रहीत किया गया ।
10) हेरिंग, सुसान सी। (19 अक्टूबर 2000)। "क्या आपको 'इंटरनेट' शब्द को बड़ा करना चाहिए?" . वायर्ड । आईएसएसएन 1059-1028 ।
11) कोरेन, माइकल जे. "इंटरनेट के आविष्कारकों में से एक को लगता है कि इसे अभी भी पूंजीकृत किया जाना चाहिए" । क्वार्ट्ज । मूल से 2005 को संग्रहीत किया गया ।
12) "वर्ल्ड वाइड वेब टाइमलाइन" . प्यूज़ रिसर्च सेंटर। 11 मार्च 2006
13) "एचटीएमएल 4.01 विशिष्टता" । विश्वव्यापी वेब संकाय। मूल से 6 अक्टूबर 2008 को संग्रहीत । 13 अगस्त 2008 को लिया गया । [टी] वह लिंक (या हाइपरलिंक, या वेब लिंक) [है] मूल हाइपरटेक्स्ट निर्माण। एक लिंक एक वेब संसाधन से दूसरे में एक कनेक्शन है। हालांकि एक साधारण अवधारणा, लिंक वेब की सफलता को चलाने वाली प्राथमिक शक्तियों में से एक रही है।
14) हौबेन, माइकल; हौबेन, रोंडा (1997)। "5 इंटरएक्टिव कंप्यूटिंग और भविष्य का विजन"। नेटिज़न्स: यूज़नेट और इंटरनेट के इतिहास और प्रभाव पर (पीडीएफ) । विले। आईएसबीएन 978-0-8186-7706-9. 3 जनवरी 2009को मूल से संग्रहीत (पीडीएफ) ।
15) ज़ेलनिक, बॉब; ज़ेलनिक, ईवा (1 सितंबर 2000)। द इल्यूजन ऑफ़ नेट न्यूट्रैलिटी: पॉलिटिकल अलार्मिज़्म, रेगुलेटरी क्रीप एंड द रियल थ्रेट टू इंटरनेट फ्रीडम । हूवर प्रेस. आईएसबीएन 978-0-8179-1596-4. मूल से 10 जनवरी 2001 को संग्रहीत किया गया ।